

# मानव वृद्धि एवं विकास में अनुवांशिकता और पर्यावरण की भूमिका

विस्मृत PowerPoint प्रस्तुति



# परिचय

- • मानव वृद्धि और विकास कई कारकों से प्रभावित होता है।
- • अनुवांशिकता (Heredity) जैविक विशेषताओं को निर्धारित करती है।
- • पर्यावरण (Environment) उन विशेषताओं के विकास और अभिव्यक्ति को प्रभावित करता है।
- • दोनों का संयुक्त प्रभाव व्यक्ति के संपूर्ण विकास को आकार देता है।



# अनुवांशिकता का अर्थ

- अनुवांशिकता वह जैविक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से माता-पिता से संतान में गुण स्थानांतरित होते हैं।
- यह जीन, क्रोमोसोम और DNA के माध्यम से होती है।
- जन्मजात क्षमताएँ अनुवांशिकता के कारण होती हैं।



# अनुवांशिकता के घटक

- • जीन (Genes)
- • क्रोमोसोम (Chromosomes)
- • DNA संरचना
- • जैविक विरासत (Biological Inheritance)



# अनुवांशिकता का मानव विकास पर प्रभाव

- • शारीरिक बनावट — कद, वजन, त्वचा, बाल, आंखों का रंग।
- • बुद्धि स्तर (IQ)।
- • कुछ व्यवहारिक प्रवृत्तियाँ।
- • प्रतिभा और विशेष क्षमताएँ (संगीत, खेल आदि)।
- • रोगों की संवेदनशीलता।



# पर्यावरण का अर्थ

- पर्यावरण उन बाहरी परिस्थितियों और प्रभावों को कहते हैं जो व्यक्ति के विकास को प्रभावित करते हैं।
- इसमें सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक और पारिवारिक परिस्थितियाँ शामिल हैं।



# पर्यावरण के प्रकार

- 1. भौतिक पर्यावरण (Physical Environment)
- 2. सामाजिक पर्यावरण (Social Environment)
- 3. सांस्कृतिक पर्यावरण (Cultural Environment)
- 4. आर्थिक पर्यावरण (Economic Environment)
- 5. शैक्षिक पर्यावरण (Educational Environment)
- 6. पारिवारिक पर्यावरण (Family Environment)



# पर्यावरण का मानव विकास पर प्रभाव

- • भाषा विकास और सीखने की क्षमता।
- • सामाजिक व्यवहार और व्यक्तित्व।
- • भावनात्मक परिपक्वता।
- • मूल्य, नैतिकता और संस्कृति।
- • स्वास्थ्य, पोषण और जीवन-शैली।





# अनुवांशिकता और पर्यावरण का परस्पर संबंध

- • अनुवांशिकता विकास की आधारशिला है, लेकिन पर्यावरण उसे आकार देता है।
- • दोनों मिलकर ही व्यक्तित्व और क्षमताओं का निर्माण करते हैं।
- • उदाहरण:
  - – संगीत प्रतिभा जन्मजात हो सकती है, पर प्रशिक्षक और अभ्यास पर्यावरण से मिलते हैं।
  - – ऊँचाई अनुवांशिक हो सकती है, पर पोषण से प्रभावित होती है।



# उदाहरण

- • जुड़वाँ बच्चों का अलग-अलग वातावरण में भिन्न विकास।
- • पोषण की कमी से अनुवांशिक क्षमता प्रभावित होना।
- • श्रेष्ठ शिक्षा और संसाधनों से प्रतिभा का विकास।
- • संस्कृति से भाषा, व्यवहार और मूल्य प्रभावित होते हैं।



# विकास के लिए दोनों की भूमिका का महत्त्व

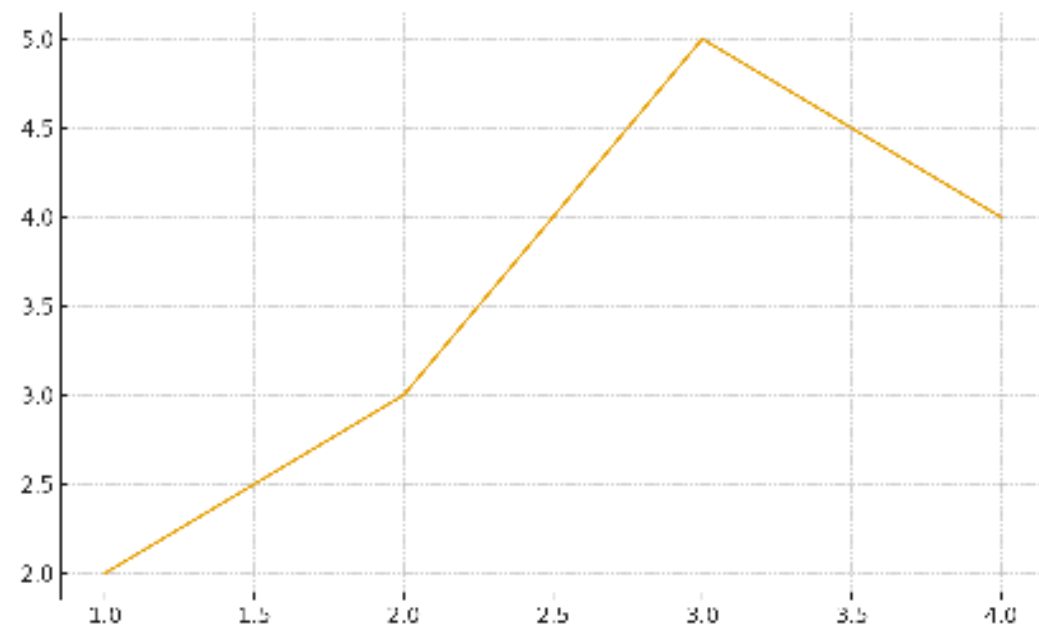
- • संतुलित विकास के लिए दोनों का योगदान आवश्यक।
- • बेहतर पर्यावरण अनुवांशिक क्षमता को बढ़ा सकता है।
- • प्रतिकूल पर्यावरण विकास को रोक सकता है।
- • दोनों का संयुक्त प्रभाव ही समग्र विकास सुनिश्चित करता है।

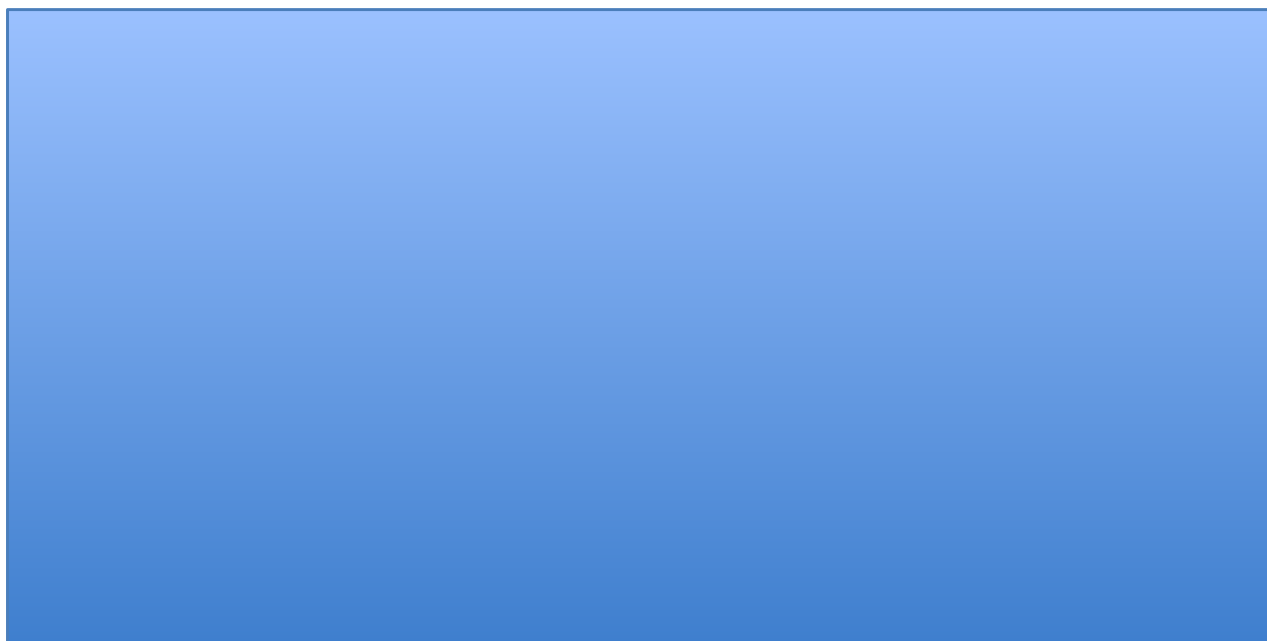


# निष्कर्ष

- मानव वृद्धि और विकास में अनुवांशिकता और पर्यावरण दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका है।
- अनुवांशिकता संभावनाएँ देती है, जबकि पर्यावरण उन्हें आकार देता और विकसित करता है।
- समग्र विकास के लिए अनुकूल पर्यावरण आवश्यक है।







Edit with WPS Office